गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-525

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी संस्मरण साहित्य

श्रेयांक: 02 (30)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	संस्मरण विधा की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियों को संस्मरण विधा की जानकारी कराना। • विद्यार्थियों को संस्मरणों के माध्यम से तत्कालीन समाज, राजनीति की समस्याओं से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	• संस्मरण साहित्य: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास	**08**
	• निर्धारित संस्मरण 1) हरकिशन सिंह सुरजीत: संगठित किसान आंदोलन के प्रणेता स्वामी सहजानंद सरस्वती 2) फणीश्वरनाथ रेणु: अपने-अपने त्रिलोचन 3) मंटो: इस्मत चुग़ताई और मैं 4) कांतिकुमार जैन: बैकुंठपुर में बचपन 5) विजयमोहन सिंह: एक दरवेश की दास्तान (भीष्म साहनी) 6) सिद्धार्थ सिंह: नामवर सिंह और नामवर बाबूजी 7) अनीता राकेश: चंद सतरें	**22**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी, परिचर्चा, प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कुमार, सुवास (सं०). फणीश्वरनाथ रेणु संचयिता. मेधा बुक्स, शाहदरा दिल्ली, 2003.	

	2) डॉ॰ हरिमोहन. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार. वाणी प्रकाशन, दिल्ली 1997. 3) धूमकेतु, जयप्रकाश. राहुल सांकृत्यायन : स्वप्न और संघर्ष (सं॰). प्रभाष प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008. 4) वर्मा, डॉ॰ धीरेंद्र. (प्रधान संपादक), वर्मा, ब्रजेश्वर. भारती, धर्मवीर. चतुर्वेदी, रामस्वरूप (संयोजक) हिंदी साहित्य कोश भाग-1 (पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1985. 5) व्यास, ज्योति. आधुनिक हिंदी साहित्य में आत्मकथा और संस्मरण विधा. अमन प्रकाशन कानपुर, उत्तर प्रदेश, 2015. 6) शर्मा, डॉ॰ मनोरमा. संस्मरण और संस्मरणकार. आराधना ब्रदर्स, कानपुर, उत्तर प्रदेश, 1988.	
अधिगम परिणाम	● विद्यार्थी संस्मरण विधा से परिचित होंगे। ● विद्यार्थी संस्मरणों के माध्यम से तत्कालीन समाज, राजनीति की समस्याओं से परिचित होंगे।	